जो बैंक क्षेत्र में नहीं उसमें ट्रांसफर हो गई राशि

लाड़ली बहना योजना का मामला, पुलिस कर रही मामले की जांच

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 20 जुलाई. मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाड़ली बहना योजना' में एक गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है. रायसेन जिले के दीवानगंज क्षेत्र में कई पात्र महिलाओं की पिछले चार महीनों की योजना की राशि उनके मूल बैंक खातों में न आकर, एक निजी बैंक (फिनो बैंक) के अज्ञात खातों में ट्रांसफर हो गई.

जबकि क्षेत्र में इस नाम की बैंक है ही नहीं. हैरान करने वाली बात यह है कि पीड़ित महिलाओं ने यह खाते कभी खुलवाए ही नहीं थे. जालसाजों ने इन फर्जी खातों से एटीएम के जरिए पूरी राशि भी साफ कर दी.

मामले का खुलासा तब हुआ जब महीनों से राशि न मिलने पर महिलाओं ने अपने खातों की जांच करवाई. पीड़ितों ने बताया कि उनके नियमित खाते भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में हैं. उन्होंने कभी फिनो बैंक का रुख तक नहीं किया. महिलाओं का आरोप है कि उनके दस्तावेज़ों का दुरुपयोग कर ये फर्जी खाते खोले गए और मिलीभगत करके योजना की डीबीटी लिंक को बदल दिया गया. इस धोखाधड़ी से प्रभावित महिलाओं में गहरा आक्रोश है. सोमवार को स्थानीय सरपंच गिरजेश नायक के नेतृत्व में महिलाओं ने दीवानगंज पुलिस चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी को एक लिखित शिकायती आवेदन सौंपा. महिलाओं ने पुलिस से मांग की है कि इस पूरे रैकेट की निष्पक्ष और त्वरित जांच की जाए. फर्जीवाड़ा करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई हो. गरीब महिलाओं की हड़पी गई राशि को जल्द से जल्द वापस दिलवाया जाए.

मामले की जांच कर रहे हैं

'शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस फिनो बैंक से संपर्क कर यह पता लगा रही है कि ये खाते किसने और किस आधार पर खोले. एटीएम से पैसे निकालने वालों के फुटेज और ट्रांजेक्शन हिस्ट्री खंगाली जा रही है. जांच में फर्जीवाड़ा साबित होते ही आरोपियों पर धोखाधड़ी की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा.'

– सुनील शर्मा, चौकी प्रभारी, दीवानगंज

बस से पांच लाख रुपये के गहने चोरी

पीड़ित यात्री ने पुलिस से की शिकायत

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 20 जुलाई. शक्ति बस सर्विस की एक यात्री बस में भोपाल से बेगमगंज आने वाले यात्री दीपक प्रजापति निवासी बेगमगंज के यात्री के बैग में रखी 5 लाख रुपए कीमत के सोने -चांदी के गहनों से भरी पोटली चोरी हो गई. पीड़ित ने पुलिस को शिकायती आवेदन दिया है.

बेगमगंज नगर के वार्ड क्र. 9 निवासी दीपक प्रजापति पिता राजू प्रजापति परिवार सहित भोपाल से बेगमगंज आने के लिए शक्ति ट्रेवल्स बस सर्विस की यात्री बस क्रमांक एमपी 15 जेड डब्ल्यू 0464 में सवार हुआ था. बस के हेल्पर ने उसके हाथ से तीनों बैग लेकर बस के पीछे डिग्गी में रख दिए थे. एक बैंगनी रंग के बैग में रखी एक हरे रंग की पोटली में उसकी पत्नी के सोने - चांदी के गहने रखे थे. शाम करीब 5:30 बजे जब बस बेगमगंज आई और दीपक अपने परिवार को लेकर बस स्टैंड पर उतरा और हेल्पर से पीछे डिग्गी में रखे अपने तीनों बैग निकालवा कर उन्हें लेकर घर आ गया. घर आकर उसने बैग खोलकर देखा तो उसमें गहनों की पोटली नहीं थी,

तब बहुत तलाश किए जाने के बाद भी जब वह नहीं मिली तो फरियादी दीपक प्रजापति ने थाना प्रभारी को एक आवेदन देकर बताया कि बस के हेल्पर द्वारा जबरन उसके हाथ से तीनों बैग लेकर पीछे डिग्गी में रख दिए थे लेकिन बेगमगंज आने पर एक बैग से गहनों वाली पोटली गायब मिली. जिसमें उसकी पत्नी के गहने रखे थे. गहनों में सोने का एक मंगलसूत्र, सोने की पांचाली, सोने की दो अंगूठी, सोने की एक नथ, सोने की झुमकी एवं चांदी की करधौनी, चांदी की पायल, चांदी की 4 जोड़ी बिछुड़ी सहित सभी गहने कीमत करीब 5 लाख रुपए रखे थे. जो अज्ञात चोर द्वारा चुरा लिए गए हैं. दीपक ने अपने स्तर पर भी खोजबीन शुरू की तो एक यात्री से पता चला कि बस में सबसे पीछे की सीट पर बैठे दो पुरूष , एक महिला एवं उनके साथ दो बच्चे थे ,उनके द्वारा दिग्गी में रखे बेग इधर -उधर करके चेन खोले जाने की बात बताई. उन्होंने बेगमगंज , गैरतगंज , देहगांव , रायसेन , भोपाल, राहतगढ़ एवं सागर इत्यादि में भी उनकी सरगर्मी से तलाशी अभियान चलाया लेकिन निराशा हाथ लगी है. पीड़ित दीपक प्रजापति ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है.

एक नजर में

महानगर भोजपुरी समाज ने की चाय पर परिचर्चा '

भोपाल, 20 जुलाई. श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, न्यू टीटी नगर कॉलोनी, नीलबड़ भोपाल में 'महानगर भोजपुरी समाज' भोपाल के अध्यक्ष ददन सिंह यादव के अध्यक्षता में 'चाय पर सार्थक परिचर्चा' हुई. इसमें संगठन के महामंत्री राजेश सिंह ने समिति के आगामी रणनीति पर प्रकाश डालते हुए संगठन को संपूर्ण मध्य प्रदेश तक विस्तृत करने एवं भोपाल से बनारस तक सीधी एरोप्लेन कनेक्टिविटी पर बात रखी. संगठन के संरक्षक महेश सिंह ने भोजपुरी कविता के माध्यम से परिचर्चा की शुरुआत की. राधा कृष्ण यादव, सूर्यनाथ सिंह, वीरेंद्र सिंह एवं अवधेश सिंह ने भोपाल से छपरा तक नियमित ट्रेन चलाने के लिए ज्ञापन दिए जाने की बात कही, जिसका सभी लोगों ने समर्थन किया. शैलेंद्र सिंह ने महानगर भोजपुरी समाज की नियमित बैठक के लिए नीलबड़ में एक भवन बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया. कोषाध्यक्ष रमेश यादव ने संगठन के आय-व्यय का विवरण पेश किया. अशोक सिंह, हरी लाल राम, डॉ. नवीन मिश्रा, अमरनाथ यादव, प्रेमसागर तिवारी तथा कमलेश सिंह ने उपरोक्त प्रस्ताव पर मजबूती के साथ सकारात्मक पहल करने पर जोर दिया. परिचर्चा में परमात्मानंद सिंह, रमेश सिंह, कृपा शंकर यादव, ओम प्रकाश सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, राम भवन शर्मा, महेश श्रीवास्तव, बंशीधर मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल थे.

परिवार से बिछड़े एक नाबालिग को जीआरपी ने तलाशा

भोपाल, 20 जुलाई. अपने परिवार से बिछड़े एक नाबालिग लड़के की जीआरपी थाना भोपाल की टीम ने पहचान की. उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के रहने वाले लड़के के पिता को फोन पर सूचना देकर भोपाल बुलाया गया है. जीआरपी के मुताबिक रेलवे स्टेशन चौकिंग के दौरान एक 15 साल का नाबालिग लड़का घूमता दिखा. लड़के से पूछताछ करने पर उसने अपने गांव का नाम बताया. लड़के ने पुलिस को बताया कि उसका गांग बस्ती जिला यूपी में है. वह अपने परिवार से भटक कर भोपाल आ गया. लड़के के पिता को इसकी सूचना देकर जीआरपी ने बुलाया है. नाबालिग का मेडिकल परीक्षण कराते हुए उसे एक स्वयं सेवी संस्था में रखा गया है.

आरोपी दंपति की तलाश कर रही पुलिस

भोपाल, 20 जुलाई. शाहपुरा थाना पुलिस नाबालिग लड़की को आरोपी गणेश के पास पहुंचाने वाले पति-पत्नी की तलाश कर रही है. आरोपी दंपतियों की तलाश में पुलिस की एक टीम बिहार का दौरा कर रही है. दंपति ने नाबालिग को गणेश तक पहुंचाया था. 16 वर्षीय पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस मामले में मानव तस्करी के एंगल से भी जांच कर रही है. पुलिस की सूचना पर नाबालिग के पिता भी बिहार से चलकर भोपाल पहुंचे और बेटी से मुलाकात की. थाना प्रभारी संतोष मरकाम ने बताया कि मामला सामने आने के बाद लड़की से जबरन शादी और दुष्कर्म के आरोपी गणेश को गिरफ्तार किया गया. आरोपी गणेश को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है. आरोपी के और पीड़िता के बयान का मिलान कर मामले में लिप्त रहे दंपति की तलाश की जा रही है. आरोपी पति-पत्नी के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है और मामले की जांच जारी है. इसके साथ ही नाबालिग को एक स्वयं सेवी संस्था में सुरक्षित रखा गया है. पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद पुलिस जांच को उसी एंगल से आगे बढ़ाएगी. बता दें कि शनिवार को थाने पहुंचकर पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह नाबालिग है और उसकी शादी जबरन आरोपी गणेश के साथ करा दी गई. आरोप पर दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने एक पति-पत्नी की भी जानकारी पुलिस को दी. मूलत: बिहार के सिरसा जिले की रहने वाली नाबिलग अपने माता-पिता से नाराज होकर घर से मार्च 2025 में निकली थी. वह ट्रेन में बैठी थी तभी उसकी मुलाकात आरोपी पति और पत्नी से हुई थी. नाबालिग को सहारा देने के नाम पर आरोपी उसे लेकर भोपाल आए.

एक पखवाड़े बाद फिर हुई झमाझम बारिश

51050 हेक्टेयर की खरीफ फसल को मिलेगी राहत

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 20 जुलाई. पिछले एक पखवाड़े से तेज धूप और उमस ने लोगों को हलाकान कर रखा था. बच्चे और महिलाएं बड़ी संख्या में बीमार हो रहे हैं. सरकारी अस्पताल सहित निजी चिकित्सकों के क्लीनिकों पर मरीजों की भीड़ लगी है. धान ओर सोयाबीन की फसलें सूखकर मुरझाने लगीं और खेतों में दरारें पड़ने लगीं तो किसानों में निराशा छा गई.

सभी लोग वर्षा के लिए प्रार्थना करने में जुटे हुए थे.

सोमवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे और दोपहर 3 बजे से बरसना शुरू हो गए. लगातार हो रही तेज वर्षा ने सभी के चेहरों पर खुशी ला दी. तहसील में खरीफ फसल का कुल रकबा 51050 हेक्टेयर है. जिसमें धान- 12600 , मक्का - 10800 ,सोयाबीन - 16700 , अरहर - 4150 , मूंग 1750 एवं उड़द - 4800 हेक्टेयर में बुआई जाती है.

किसानों की आय का साधन दलहन , तिलहन एवं धान की फसलें है. जो वर्षा पर आश्रित है. ऐसे में यदि मानसून रूठ जाए तो किसानों की परेशानी बढ़ना स्वभाविक है. लेकिन आज से मानसून पुन: सक्रिय होने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं.

वरिष्ठ कृषि अधिकारी डीके नायक ने बताया कि अभी वर्षा नहीं होने से फसलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन मानसून पुन: सक्रिय होने के कारण बारिश होने से धान , मक्का ओर सोयाबीन को अमृत मिलेगा. दलहन, तिलहन फसलें अच्छी ग्रोथ करेंगी.

मूंग खरीदी केंद्र का एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 20 जुलाई. मूंग उपार्जन के लिए पंजीकृत 1539 किसानों को उनकी उपज की सही तौल एवं पूरा भुगतान मिले इसको लेकर एसडीएम प्रियंका भलावी लगातार खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रही हैं.

मूंग खरीदी दो उपार्जन केंद्रों सुमेर सोसायटी के खरीदी केंद्र किसान मित्र वेयरहाउस सुल्तानगंज मार्ग एवं सुनेहरा सोसायटी का भार्गव वेयरहाउस कोलूघाट भोपाल रोड पर 1 जुलाई से 10 अगस्त तक की जाएगी.

सोमवार को एसडीएम भलावी ने सुमेर सोसायटी के मूंग खरीदी केंद्र किसान मित्र वेयरहाउस का कृषि अधिकारी डीके नायक, खाद गोदाम इंचार्ज अशोक राठौर, नोडल अधिकारी ललित तिरोले एवं सुमेर सोसायटी सचिव सचिन सिंह घोषी को साथ लेकर औचक निरीक्षण किया.

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि सुमेर सोसायटी द्वारा अब तक 386 क्विटल मूंग की खरीदी की गई है. वेयरहाउस का निरीक्षण किए जाने के बाद वेयरहाउस प्रबंधन को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश देते हुए खरीदी गई मूंग को सुरक्षित रखने, किसानों को उपार्जन काम में किसी प्रकार की समस्या ना हो इसके लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है.

समय सीमा में सभी पंजीकृत किसानों की मूंग की तुलाई हो जाए ये सुनिश्चित करने के साथ उपार्जन केंद्रों पर समय पर फसल तुलाई के साथ पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता एवं सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की.

एसडीएम भलावी ने बताया कि सरकार की मंशा है कि सभी पंजीकृत किसानों की मूंग की खरीदी समय सीमा में हो जाए ताकि उन किसानों को समय सीमा के अंदर ही भुगतान हो सके. इसको लेकर वह उपार्जन केंद्रों का लगातार औचक निरीक्षण करती रहेगी.

उदयपुरा सीएचसी को सिविल अस्पताल का दर्जा

उदयपुरा, 20 जुलाई. मध्यप्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा उदयपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को सिविल अस्पताल का दर्जा दे दिया गया है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी मिली. अस्पताल के इस उन्नयन से उदयपुरा और आसपास के 50 से अधिक गांवों की करीब 2 लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा. स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल की मांग पर उदयपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल का दर्जा मिला है. नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल का आभार जताया है.

अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

बिंडल-माचिस लेने निकला था मजदूर

बेरखेड़ी चौराहे के पास की हुआ हादसा

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 20 जुलाई. स्टेट हाईवे-18 पर बेरखेड़ी चौराहे के पास सड़क हादसे में एक 50 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई. मृतक की पहचान बाबूलाल सहरिया (50) पिता पन्नालाल सहरिया, निवासी पवानाला, थाना करारिया, जिला विदिशा के रूप में हुई है. बाबूलाल सहरिया कुलहड़िया पेट्रोल पंप के पास स्थित एक खेत पर मजदूरी करता था और वहीं पत्नी के साथ रहता था. पत्नी के अनुसार, रविवार को दोनों हाट बाजार गए थे. रात करीब 8 बजे बाबूलाल यह कहकर घर से निकला था कि वह बिंडल-माचिस लेकर आता है और साथ ही जानवरों को भी भगा देगा. लेकिन वह रातभर वापस नहीं लौटा. सोमवार सुबह करीब 7 बजे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी कि सड़क से लगभग 15-20 मीटर नीचे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है. सलामतपुर थाना प्रभारी श्यामराज सिंह सोमवंशी और चौकी प्रभारी सुनील शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. शुरुआती जांच में सड़क पर खून के निशान मिले हैं. पुलिस के मुताबिक, किसी अज्ञात वाहन ने बाबूलाल को टक्कर मारी. घायल बाबूलाल ने सड़क से घिसटते हुए अपने घर पहुंचने की कोशिश की, लेकिन चोट और समय पर इलाज न मिलने से रास्ते में उसने दम तोड़ दिया.

भोपाल में नशे के इंजेक्शन देने वाले गिरोह का खुलासा

पुलिस ने दो आरोपियों के पास की जब्ती

भोपाल, 20 जुलाई. पिपलानी थाना पुलिस ने युवाओं और मजदूरों को नशे के इंजेक्शन देने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा किया है. पुलिस को भारी संख्या मे नशीले इंजेक्शन मिले, जिसे जब्त कर लिया गया. मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

इन्जेक्शन सप्लाई के तार उत्तरप्रदेश से जुडे हैं. आरोपीगण मंहगे खर्च पूरा करने के लिए इंजेक्शन बेंचते थे. आरोपीगणो से पूछताछ के आधार पर भोपाल मे कई अन्य जगह पर दी दाबिश दी जाएगी. पुलिस के मुताबिक सूचना मिली थी कि रत्नागिरी तिराहे के पास जंबूरी मैदान गेट के सामने दो व्यक्ति अंधेरे में खड़े होकर नशीले इंजेक्शन बेच रहे हैं. दोनों आरोपियों को इंजेक्शन बेचते हुए पुलिस ने पकड़ा. पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम दक्ष यादव (32) और बल्लू कुचबंदिया (27) निवासी कैंची छोला बताया.

छात्राओं ने रैली निकालकर दिया नशे से दूर रहने का संदेश

'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान

नवभारत न्यूज

देवरी (रायसेन), 20 जुलाई. पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर देवरी थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह तोमर के नेतृत्व में 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली निकाली गई.

रैली की शुरुआत देवरी थाना परिसर से हुई, जिसमें स्कूल की छात्राओं ने हाथों में जागरूकता तख्तियां लेकर नगरवासियों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया. रैली थाना परिसर से होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरकर बस स्टैंड तिराहे तक पहुंची. इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र रघुवंशी, नायब तहसीलदार शुक्ला जी, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी रैली में सहभागिता निभाई. बस स्टैंड तिराहे पर उपस्थित लोगों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए सभी से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की गई. थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह तोमर का का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को नशे की लत से बचाना तथा समाज में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सके.

अनदेखी सवालों के घेरे में 6 करोड़ का सलामतपुर रेलवे ओवरब्रिज

12 साल में ही पुल हुआ जर्जर, सरिये भी निकले बाहर

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 20 जुलाई. भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे 18 पर बना 1 किमी लंबा ब्रिज भ्रष्टाचार और लापरवाही की जीती-जागती मिसाल बन चुका है. रोजाना 15 हजार से अधिक वाहनों की आवाजाही वाले इस पुल की रेलिंग आड़ी हो चुकी है, पिलर धसक रहे हैं और लोहे के सरिये बाहर आ गए हैं.

दिल्ली-मुंबई मेन रेलवे ट्रैक के ऊपर बने इस पुल पर अब तक एक दर्जन से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं. सलामतपुर रेलवे फाटक पर जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए वर्ष 2011 में मध्य प्रदेश ब्रिज कारपोरेशन द्वारा 6 करोड़ रुपए की लागत से इस ओवरब्रिज का निर्माण शुरू कराया गया था. साल 2013 में यह पुल बनकर तैयार तो हो गया, लेकिन अपने जन्म के

साथ ही यह गंभीर विवादों में घिर गया. पुल के निर्माण के समय ही तकनीकी खामियों को लेकर आवाज उठी थी. ब्रिज कारपोरेशन के तत्कालीन एसडीओ (जो अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं) ने लिखित आपत्ति दर्ज कराई थी कि जिस क्षेत्र में पुल बनाया जा रहा है, वह 'ब्लैक कॉटन स्वाइल' (काली कपासी मिट्टी) का इलाका है. इस तरह की मिट्टी में पिलर की गहराई बहुत अधिक रखनी होती है, अन्यथा पुल के धसकने का खतरा हमेशा बना रहता है. तत्कालीन एसडीओ ने साफ कहा था कि पुल के पिलर की गहराई कम रखी जा रही है, जो भविष्य में घातक साबित होगी.

सूत्रों के मुताबिक, पुल का निर्माण कर रहा ठेकेदार रसूख वाला व्यक्ति था. राजनीतिक दबाव और रसूख के चलते ईमानदार एसडीओ की तकनीकी चेतावनियों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया. अपनी बात न सुने जाने से आहत होकर तत्कालीन एसडीओ ने अपना ट्रांसफर वहां से करवा लिया. नतीजा आज सबके सामने है. पुल धीरे-धीरे धंस रहा है. यह ओवरब्रिज कोई सामान्य पुल नहीं है, बल्कि यह दिल्ली-मुंबई मुख्य रेलवे ट्रैक के ठीक ऊपर से गुजरता है.

पटवारियों ने काली पट्टी बांधकर किया काम

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 20 जुलाई. पटवारियों द्वारा अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की. सोमवार को पटवारियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य तो किया लेकिन सरकार से अपनी लंबित मांगों के संबंध में विरोध भी दर्ज कराया.

पटवारी संघ के अध्यक्ष मनीष चौरसिया ने बताया कि मप्र पटवारी संघ के आव्हान पर 5 सूत्रीय मांगों को लेकर सभी पटवारियों द्वारा तीन दिन का सामूहिक अवकाश लेकर विरोध जताया था लेकिन सरकार द्वारा उनकी उचित मांगों को पूरा नहीं किए जाने के विरोध में आज से काली पट्टी बांधकर विरोध जताते हुए सरकारी काम करना शुरू किया है. जब अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कमर्चारियों को नियमित पदोन्नति सहित अन्य लाभ दिए जा रहे हैं तो पटवारियों को क्यों नहीं जबकि पटवारी ही सरकार के सबसे बड़े महकमें राजस्व विभाग का काम दिनरात एक करके निभाते हैं ओर सरकार की सबसे ज्यादा योजनाओं में भी परस्पर सहयोग देकर काम पूरा करते हैं. मुख्यमंत्री द्वारा अधिवेशन बुलाकर पटवारियों की उचित मांगो को पूरा किए जाने का आश्वासन दिए जाने के बाद भी अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया. न्योचित मांगों में पदोन्नति , समयमान वेतनमान का लाभ , कैडर रिव्यू लागू करना , नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा , जज प्रोटेक्शन एक्ट दायरे में शामिल करना , सरकारी विभिन्न योजनाओं का लंबित मानदेय का सीघ्र भुगतान , नियम विरुद्ध किए गए संघ के पदाधिकारियों के तबादले तत्काल निरस्त करने के साथ कहाकि जब तक उपरोक्त मांगे स्वीकृत नहीं होती है , तब तक आंदोलन जारी रहेगा .